(ii) शिक्षा को आत्म निर्भर बनाने का सिद्धांत।
(iii) शिक्षा को जीवन से जोड़ने का सिद्धांत। (i)
(iv) शिक्षा का माध्यम मातृ-भाषा बनाने का सिद्धांत।
(v) शिक्षा को हस्त कौशलों पर केन्द्रित करने का सिद्धांत।

3. **बेसिक शिक्षा के उद्देश्य :-** (i) शारीरिक विकास (ii)
(ii) मानसिक विकास
(iii) सांस्कृतिक विकास
(iv) चारित्रिक व नैतिक विकास
(v) व्यावसायिक विकास (iii)
(vi) नागरिकता का विकास
(vii) आध्यात्मिक विकास

4. **बेसिक शिक्षा की पाठ्यचर्या :-** बेसिक शिक्षा की उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए निम्नांकित क्रिया प्रधान पाठ्यचर्या का निर्माण किया गया — हस्तकौशल एवं उद्योग, मातृ भाषा, व्यावहारिक गणित, सामाजिक विषय, सामान्य विज्ञान, संगीत, चित्रकला, स्वास्थ्य विज्ञान, नैतिक शिक्षा आदि।

इसमें सबसे अधिक हस्त कौशल एवं उद्योगों को महत्व दिया गया था। प्रारम्भ में इसके लिए 5 घंटे 30 मिनट में से 3 घंटे 20 मिनट प्रतिदिन का समय निश्चित किया गया था। बाद में यह समय घटा दिया गया।

बेसिक शिक्षा की पाठ्यचर्या में धार्मिक शिक्षा को स्थान नहीं दिया गया है। केवल सर्व धर्म सम्मत नैतिक शिक्षा को ही स्थान दिया गया है।

बेसिक शिक्षा की शिक्षण विधि :- बेसिक शिक्षा में परम्परागत कथन और पुस्तक के स्थान पर क्रिया प्रधान शिक्षण विधि पर बल दिया गया। इस विधि

A Quality Product from Chitra

की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित है —

(i) इसमें क्रिया एवं अनुभवों को सबसे अधिक महत्व दिया जाता है। बच्चों को प्रकृति का निरीक्षण करने और सामाजिक कार्यों मे भाग लेने के अवसर दिये जाते है, और इस प्रकार उन्हें स्वयं अनुभव द्वारा सीखने के अवसर दिये जाते है।

(ii) बेसिक शिक्षा मे समस्त पाठ्यवस्तुओं एवं क्रियाओं को एक दूसरे से सम्बन्धित करके पढ़ाया जाता है। इसे 'सहसम्बन्ध विधि' कहते है। प्रारम्भ मे सह सम्बन्ध का आधार किसी हस्त कौशल अथवा उद्योग को ही रखा गया था।

(iii) बेसिक शिक्षा मे मातृभाषा का ज्ञान भी स्वभाविक रूप से कराया जाता है। पहले मौखिक भाषा सिखायी जाती है, उसके बाद लिखित भाषा सिखायी जाती है।

(iv) बेसिक शिक्षा मे बच्चों को जीवन की वास्तविक क्रियाओं के माध्यम से वास्तविक ज्ञान कराया जाता है।

बेसिक शिक्षा मे शिक्षक :— डा० जाकिर हुसैन समिति ने इस बात पर बल दिया कि प्राथमिक स्तर पर पुरुष शिक्षकों के स्थान पर महिला शिक्षिकाओं को वरीयता दी जाये। साथ ही इस बात पर बल दिया कि प्राथमिक शिक्षक कम से कम मैट्रिक पास हो और शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त हो।

बेसिक शिक्षकों का प्रशिक्षण :— प्रारम्भ मे बेसिक शिक्षकों के लिए दो प्रकार के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी। पहली — तीन वर्षीय प्रशिक्षण की तथा दूसरी — एक वर्षीय प्रशिक्षण की। तीन वर्षीय प्रशिक्षण उनके लिए, जिन्हे प्राथमिक कक्षाओं को पढ़ाने का कोई अनुभव नही था। एक वर्षीय प्रशिक्षण उनके लिए जिन्हे तीन वर्ष का शिक्षण अनुभव था।

A Quality Product from Chitra

बेसिक शिक्षा में धार्मिक एवं नैतिक शिक्षा :-

गांधी जी का कहना था कि विभिन्न धर्मों वाले इस देश में किसी एक धर्म की शिक्षा देना स्वीकार नहीं होगा और इस बेसिक शिक्षा को अंतिम रूप देने वाले भी विभिन्न धर्मावलम्बी थे। यही कारण है कि इसमें धार्मिक शिक्षा को स्थान न देकर सर्व धर्म सम्मत नैतिक शिक्षा देने की व्यवस्था की गई।

मूल्यांकन :- गुण — 1. आत्म निर्भर योजना
2. वर्ग भेद की समाप्ति
3. क्रिया प्रधान शिक्षण विधि
4. शारीरिक एवं मानसिक श्रम के अंतर की समाप्ति।
5. शिक्षा का माध्यम मातृ भाषा।
6. विद्यालय और समाज में निकट सम्बन्ध
7. मनुष्य के सर्वांगीण विकास पर बल
8. भारतीयों के लिए आधार भूत पाठ्यचर्या

दोष :- 1. हस्त कौशलों पर अत्यधिक बल
2. कच्चे माल की बर्बादी
3. समय व शक्ति का अपव्यय
4. धार्मिक शिक्षा का अभाव
5. नगरीय क्षेत्रों के लिए अनुपयुक्त
6. उच्च शिक्षा से सम्बन्ध का अभाव

A Quality Product from Chitra